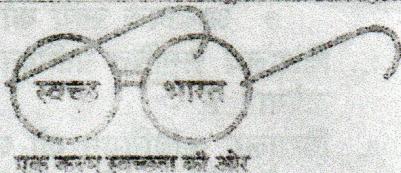


सब पढ़ें सब बढ़ें



प्रेषक,

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
बलिया।

सेवा में,

प्रबन्धक,
ए०एस०ए० कान्वेन्ट स्कूल सुखपुरा
शिक्षा क्षेत्र—बेरुआरबारी, बलिया।

पत्रांक : 1376/20962-65 /2018-19

दिनांक : 26-11-2018

विषय : निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम—2009 की धारा—18 की प्रायोजन के लिए निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम—2010 के नियम—15 के उपनियम—(4) के अधीन विद्यालय के लिए मान्यता प्रमाण—पत्र।

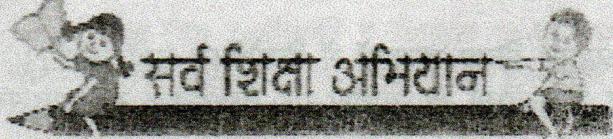
महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश सं०-४१९/७९-६-२०१३-१८ एस (७)/९९ दिनांक ८ मई २०१३ के अनुपालन में आपके विद्यालय का कक्षा नर्सरी से कक्षा ८ तक दिनांक ०१.०७.२०१५ से दिनांक ३०.०६.२०१८ तक इस कार्यालय के पत्रांक /१३०७१-७५/२०१५-१६ दिनांक २५.०५.२०१५ द्वारा तीन वर्षों की अवधि के लिए औपबन्धिक मान्यता सम्प्रेषित किया गया था।

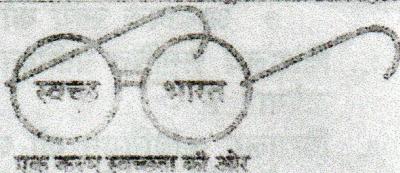
उक्त के सम्बन्ध में आप द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र पर क्षेत्रीय खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा की गयी जौच एवं संस्तुति के उपरान्त शासन द्वारा निर्गत राजाज्ञा सं०-४१९/७९-६-२०१३-१८ एस (७) ७९ दिनांक ८ मई २०१३ के प्रस्तार १५ में उल्लिखित प्राविधानों के अन्तर्गत एतदद्वारा कक्षा प्री ग्राइमरी नर्सरी से कक्षा ८ तक की औपबन्धिक मान्यता प्रदान की जाती है। उक्त स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के भविष्य में विद्यमान रहने के अधीन होगी।

उपरोक्त मंजूरी निम्नलिखित शर्तों को पूरा किये जाने के अध्यधीन है—

1. मान्यता के लिए स्वीकृति विस्तारणीय नहीं हैं और उसमें किसी भी रूप में टक्का ०८ के पश्चात मान्यता / सम्बन्धन करने के लिए कोई बाध्यता विवाहित नहीं हैं।
2. विद्यालय निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम २००९ (उपबन्ध—१) और ल०प्र० निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार नियमावली २०१० (उपबन्ध—२) के उपबन्धों का पालन करेगा।
3. विद्यालय कक्षा --१ में (या यथास्थिति नर्सरी कक्षा में) उस कक्षा में बालकों की संख्या के २५ (पचास) प्रतिशत तक आस—पड़ोस के कमज़ोर बगों और सुविधाविहीन समूह के बालकों को प्रवेश प्रदान करेगा और उन्हें निःशुल्क और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा उसके पुरा हों जाने तक उपलब्ध करायेगा।
4. पैरा ३ में निर्दिष्ट बालकों के लिए विद्यालय को अधिनियम की धारा १२ की संधारा (२) के उपबन्धों के अनुसार प्रतिपूर्ति किया जायेगा। ऐसी प्रतिपूर्तियाँ पाप्त करने के लिए विद्यालय एक पृथक बैंक खाता रखेगा।
5. सोसाइटी/विद्यालय किसी कैपीटेशन शुल्क का संग्रहण नहीं करेगा और किसी बालक या उसके माता—पिता या सरक्षक को किसी स्कूलनिंग प्रक्रिया के अध्यधीन नहीं करेगा।
6. विद्यालय किसी बालक को उसकी आयु का सङ्गत न होने के लालन प्रवेश देने से इन्कार नहीं करेगा और वह अधिनियम की धारा—१५ के उपबन्धों का पालन करेगा।
 - प्रदेश दिये गये किसी भी बालक को विद्यालय में उसकी प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक किसी कक्षा में फेल नहीं किया जायेगा या उसे विद्यालय से निष्कासित नहीं किया जायेगा।
 - किसी भी बालक को शारीरिक दण्ड या मानसिक उत्पीड़न के अध्यधीन नहीं किया जायेगा।
 - प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बालक से कोई भोव्ह एवं शरीका सत्तीर्ण करने की अपेक्षा नहीं की जायेगी।
 - प्राथमिक शिक्षा पूरी करने वाले प्राथमिक बालक को नियम—२५ के अधीन अधिकृत



सब पढ़ें सब बढ़ें



प्रेषक,

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
बलिया।

सेवा में,

प्रबन्धक,
ए०एस०ए० कान्वेन्ट स्कूल सुखपुरा
शिक्षा क्षेत्र—बेरुआरबारी, बलिया।

पत्रांक : 1376/20962-65 /2018-19

दिनांक : 26-11-2018

विषय : निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम—2009 की धारा—18 की प्रायोजन के लिए निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम—2010 के नियम—15 के उपनियम—(4) के अधीन विद्यालय के लिए मान्यता प्रमाण—पत्र।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश सं०-४१९/७९-६-२०१३-१८ एस (७)/९९ दिनांक ८ मई २०१३ के अनुपालन में आपके विद्यालय का कक्षा नर्सरी से कक्षा ८ तक दिनांक ०१.०७.२०१५ से दिनांक ३०.०६.२०१८ तक इस कार्यालय के पत्रांक /१३०७१-७५/२०१५-१६ दिनांक २५.०५.२०१५ द्वारा तीन वर्षों की अवधि के लिए औपबन्धिक मान्यता सम्प्रेषित किया गया था।

उक्त के सम्बन्ध में आप द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र पर क्षेत्रीय खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा की गयी जौच एवं संस्तुति के उपरान्त शासन द्वारा निर्गत राजाज्ञा सं०-४१९/७९-६-२०१३-१८ एस (७) ७९ दिनांक ८ मई २०१३ के प्रस्तार १५ में उल्लिखित प्राविधानों के अन्तर्गत एतदद्वारा कक्षा प्री ग्राइमरी नर्सरी से कक्षा ८ तक की औपबन्धिक मान्यता प्रदान की जाती है। उक्त स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के भविष्य में विद्यमान रहने के अधीन होगी।

उपरोक्त मंजूरी निम्नलिखित शर्तों को पूरा किये जाने के अध्यधीन है—

१. मान्यता के लिए स्वीकृति विस्तारणीय नहीं हैं और उसमें किसी भी रूप में टक्का ०८ के पश्चात मान्यता / सम्बन्धन करने के लिए कोई बाध्यता विवाहित नहीं हैं।
२. विद्यालय निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम २००९ (उपबन्ध—१) और ल०प्र० निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार नियमावली २०१० (उपबन्ध—२) के उपबन्धों का पालन करेगा।
३. विद्यालय कक्षा --१ में (या यथास्थिति नर्सरी कक्षा में) उस कक्षा में बालकों की संख्या के २५ (पचास) प्रतिशत तक आस—पडोस के कमजोर बगों और सुविधाविहीन समूह के बालकों को प्रवेश प्रदान करेगा और उन्हें निःशुल्क और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा उसके पुरा हों जाने तक उपलब्ध करायेगा।
४. पैरा ३ में निर्दिष्ट बालकों के लिए विद्यालय को अधिनियम की धारा १२ की संधारा (२) के उपबन्धों के अनुसार प्रतिपूर्ति किया जायेगा। ऐसी प्रतिपूर्तियाँ पाप्त करने के लिए विद्यालय एक पृथक बैंक खाता रखेगा।
५. सोसाइटी/विद्यालय किसी कैपीटेशन शुल्क का संग्रहण नहीं करेगा और किसी बालक या उसके माता—पिता या सरक्षक को किसी स्कूलनिंग प्रक्रिया के अध्यधीन नहीं करेगा।
६. विद्यालय किसी बालक को उसकी आयु का सङ्गत न होने के लालन प्रवेश देने से इन्कार नहीं करेगा और वह अधिनियम की धारा—१५ के उपबन्धों का पालन करेगा।
 - प्रदेश दिये गये किसी भी बालक को विद्यालय में उसकी प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक किसी कक्षा में फेल नहीं किया जायेगा या उसे विद्यालय से निष्कासित नहीं किया जायेगा।
 - किसी भी बालक को शारीरिक दण्ड या मानसिक उत्पीड़न के अध्यधीन नहीं किया जायेगा।
 - प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बालक से कोई भोव्ह एवं शरीका सत्तीर्ण करने की अपेक्षा नहीं की जायेगी।
 - प्राथमिक शिक्षा पूरी करने वाले प्राथमिक बालक को नियम—२५ के अधीन अधिकृत